हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
'भव्य प्रभात'
विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 17, अंक 124 | 02 मई 2024 गुरुवार | हाथरस | पृष्ठ 8 | मूल्य–2/✕रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

'झूठ बोलना कांग्रेस की आदत'

● छत्तीसगढ़ में बोले अमित शाह– पिछले 10 साल से हम सत्ता में है, हमने आरक्षण नहीं हटाया, ना हटाएंगे

● शाह बोले–कांग्रेस को सिर्फ वोट बैंक से मतलब: कोरबा में कहा– रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण दुत्कार दियाय इनका एक मंत्र बार–बार झूठ बोलो

छत्तीसगढ़,(एजेंसी)। शाह ने कहा कि मोदी जी ने झारखंड, ओडिशा, बिहार, तेलंगाना, आंध्र, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से नक्सलवाद को 5 साल में समाप्त किया है। छत्तीसगढ़ छूट गया था, क्योंकि यहां भूपेश कक्का की सरकार थी। गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में नई भाजपा सरकार में चार महीने में 95 नक्सलियों को मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि अगर नरेन्द्र मोदी तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनते हैं तो दो साल में छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि झूठ जोर से बोलना, सार्वजनिक रूप से बोलना और बार–बार बोलना ही कांग्रेस का मंत्र बन गया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम पिछले 10 साल से बहुमत में हैं, लेकिन हमने आरक्षण नहीं हटाया और ना ही इसे हटाएंगे। अमित शाह ने कोरबा की रैली में कहा कि हम एसटी, एससी और ओबीसी के आरक्षण को नहीं हटाएंगे, ना ही हम कांग्रेस को ऐसा करने देंगे। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभु राम का ननिहाल है। कांग्रेस 70 साल से अटका रही थी, लटका रही थी, भटका रही थी। छत्तीसगढ़ वालों ने 11 में से 9 सीटें देकर मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया और उन्होंने 5 साल में ही केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा करके जय श्रीराम कर दिया। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के भूपेश कक्का की सरकार नक्सलवाद को बढ़ावा देती रही। लेकिन हमारे विष्णुदेव जी की सरकार बनने के बाद 4 महीने में ही 95 नक्सलियों को ढेर कर दिया गया। 350 गिरफ्तार हुए और कई ने सरेंडर कर दिया। शाह ने कहा कि मोदी जी ने झारखंड, ओडिशा, बिहार, तेलंगाना, आंध्र, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश से नक्सलवाद को 5 साल में समाप्त किया है। छत्तीसगढ़ छूट गया था, क्योंकि यहां भूपेश कक्का की सरकार थी। आप मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बना दीजिए, 2 साल में ही नक्सलवाद को हम जड़ से उखाड़ कर फेंक देंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के लिए इस देश में आतंकवाद और नक्सलवाद का पोषण कांग्रेस वर्षों से कर रही है। लेकिन अब आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है। यहां आपने भाजपा की सरकार बनाई है, केंद्र में भी मोदी जी की सरकार तीसरी बार बनने वाली है, उसके बाद नक्सलवाद को जाना ही पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अभी 2 चरण के चुनाव हुए हैं। इन 2 चरणों में मोदी जी सेंचुरी मारकर बहुत आगे निकल गए हैं। तीसरे चरण में हमे 400 पार की दिशा में आगे बढ़ना है। शाह ने कहा कि मोदी जी के पास 10 साल का ट्रैक रिकॉर्ड भी है और 25 साल का एजेंडा भी है। छत्तीसगढ़ ज्यादातर पिछड़ा वर्ग, दलित और आदिवासी भाई–बहनों का क्षेत्र है। मोदी जी ने 2014 में कहा था कि हमारी जो सरकार बनेगी, वो गरीबों, दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों की होगी। 16 महीने में तीसरी बार कोरबा का दौरा कोरबा शहर में बीजेपी की स्थिति बेहतर है और नेता भी यहां से बढ़त को लेकर आश्वस्त हैं। यही वजह है कि शाह की सभा को कोरबा की बजाय कटघोरा में करने का फैसला लिया गया है। शाह 16 महीने में तीसरी बार जिले के दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान वे पार्टी प्रत्याशी सरोज पांडेय के पक्ष में वोट मांगेंगे।

कोरबा शहर में बीजेपी की स्थिति बेहतर है और नेता भी यहां से बढ़त को लेकर आश्वस्त हैं। यही वजह है कि शाह की सभा को कोरबा की बजाय कटघोरा में करने का फैसला लिया गया है। शाह 16 महीने में तीसरी बार जिले के दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान वे पार्टी प्रत्याशी सरोज पांडेय के पक्ष में वोट मांगेंगे।

`बीजेपी की विचारधारा बंगाल के लोगों से मेल नहीं खाती'

कोलकाता,(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राज्य के लोगों की विचारधारा ''एकदम अलग है।'' मुख्यमंत्री ने भाजपा नेताओं को ''प्रवासी पक्षी'' करार दिया और उन पर पश्चिम बंगाल के बारे में झूठ फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा,'' बंगाल और भाजपा में कोई तालमेल नहीं है क्योंकि उनकी विचारधारा हमारी विचारधारा से एकदम अलग है। हम अपनी संस्कृति और परंपरा को बरकरार रखते हैं वहीं दिल्ली के प्रवासी पक्षी कुछ नहीं करते केवल बंगाल के बारे में झूठ फैलाते हैं।'' बनर्जी ने कहा कि यह चुनाव, ''उनके भाग्य का फैसला करने और उन्हें उनकी साजिशों के लिए दंडित करने'' के लिए है। मुख्यमंत्री ने साथ ही कहा कि ''बंगाल देश को रास्ता दिखाएगा।'' बनर्जी अपने चुनाव प्रचार में भाजपा पर हमलावर रही हैं और उनका आरोप है कि केंद्र सरकार सामाजिक कल्याण योजनाओं के धन से राज्य को वंचित कर रही है।

प्रियंका गांधी का दावा

आज देश में 70 करोड़ बेरोजगार

धुबरी,(एजेंसी)। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि आज देश में 45 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। क्योंकि सरकार में बैठे मुख्यमंत्री, मंत्री, नेताओं का सारा ध्यान अपने स्वार्थ पर है। जनता कैसे कमाएगी, कैसे खाएगी उन्हें इससे फर्क नहीं पड़ता। देश में लोकसभा चुनावों को लेकर विभिन्न राजनीतिक दल सक्रिय हो गए हैं। हर तरफ चुनावी गतिविधियां भी शुरू हो गई हैं। नेताओं के दौरे भी बढ़ने लगे हैं। फिलहाल, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव प्रचार के लिए असम पहुंची हुई हैं। यहां धुबरी में में एक जनसभा को संबोधित कर कांग्रेस नेता ने जमकर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और भाजपा पर निशाना साधा। आज बेरोजगारी सबसे ज्यादा उन्होंने कहा कि यह सरकार पूरी तरह से अपने हितों पर केंद्रित है। इनका ध्यान इस पर है कि यह कैसे कमाएंगे। उन्हें जनता के संघर्षों की चिंता नहीं है। आज बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। 70 करोड़ लोग बेरोजगार हैं। माफियाओं का राज चल रहा प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, श्असम में श्माफियाओं का राजश चल रहा है। जब आपके सीएम कांग्रेस पार्टी में थे तो उनके खिलाफ गंभीर आरोप थे। भाजपा में जाते ही उन पर लगे सभी आरोप धुल गए। भाजपा ने एक वॉशिंग मशीन विकसित की है जहां भ्रष्ट लोगों को डालकर साफ कर दिया जाता है। ये चीज सबसे पहले उन्होंने आपके सीएम के साथ किया।श हम सब एकजुट होकर लड़ेंगे उन्होंने असम के लोगों से कहा, श्यह ऐसी धरती है, जहां से पूरे देश को संदेश जाता है कि यह पूरा देश एक परिवार है और इस देश के लिए हम सब एकजुट होकर लड़ेंगे। राहुल गांधी जी ने दो यात्राएं निकाली।

यात्रा का मकसद लोगों को संदेश देना था कि यह देश हम सबका है, हम एक हैं। चाहे किसी को अच्छा लगे या न लगे, राहुल जी सिर्फ सत्य बोलते हैं और सत्य के पथ पर चलते हैं। सत्य की परंपरा.. हमारे देश की परंपरा है। महात्मा गांधी जी भी सत्य की राह पर चले थे। हमारे स्वतंत्रता आंदोलन की नींव भी– सत्य, सच्चाई, जनता की सेवा– ही थी।श संविधान को मजबूत करने वाले सारे रास्ते बंद किए जा रहे उन्होंने आगे कहा कि आज देश में जैसी राजनीति चल रही है।

विकास कार्य न कराये जाने से नाराज ग्रामीणों ने किया लोकसभा चुनाव का बहिष्कार

हाथरस। मुरसान कोतवाली क्षेत्र के गांव कटेला में विकास कार्य न होने से नाराज ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव के लिये मतदान न करने व बहिष्कार करने की घोषणा की है। ग्रामीणों ने गांव में स्टीकर और बैनर भी लगा दिए। इसकी जानकारी जब अधिकारियों को मिली तो अधिकारी गांव पहुंचे लेकिन ग्रामीणों ने स्पष्ट कह दिया कि जब तक गांव में विकास कार्य नहीं होंगे वह मतदान नहीं करेंगे। ग्रामीणों ने अधिकारियों से कहा कि जब तक गांव में विकास कार्य नहीं होंगे जब तक गांव का कोई व्यक्ति मतदान नहीं करेगा। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में काफी समय से कोई विकास कार्य नहीं कराया गया है। जल निगम के द्वारा पानी की पाइप डालने के लिए सड़क में गड्ढे खोद दिए हैं लेकिन इन्हें अभी तक भरवा नहीं गया है। इससे हादसे होने का डर बना रहता है। बरसात के समय इन रास्तों से निकलने में काफी परेशानी होती है। गांव के सरकारी स्कूल को जाने वाले रास्ते में कीचड़ भरी हुई है। स्कूल जाने वाले बच्चे आये दिन कीचड़ में गिरते रहते हैं। गांव में सफाई कर्मी तक नहीं आता है। पूरे गांव की गलियां कीचड़ से अटी हुई पड़ी है। ग्रामीणों की समस्याओं का सुनकर अधिकारियों ने समस्याओं का जल्द से निर तारण करने का आश्वासन दिया है। अधिकारियों के जाने के बाद सपा के पूर्व विधायक देवेन्द्र अग्रवाल भी गांव में पहुंच गये। ग्रामीणों ने पूर्व विधायक से कहा कि आपके कार्यकाल में भी हमारे गांव कटेला में कोई विकास कार्य नहीं हुआ है। ग्रामीणों की नाराजगी को देख पूर्व विधायक को वापस लोटना पड़ा।

लग्नशील होकर अध्ययन करने से मिलती है सफलता

(भव्य प्रभात)

हाथरस। बोर्ड परीक्षा में आशातीत सफलता पाने के उपरांत बुधवार को श्री महाराजा अग्रसेन गर्लस इंटर कॉलेज में जिले की टॉप 10 सूची में शामिल हाई स्कूल इंटर की छात्राओं के साथ कॉलेज की टॉप 10 छात्राओं को प्रबंध समिति द्वारा सम्मानित किया गया।

प्रबंध समिति अध्यक्ष पूर्व अध्यक्ष बालकिशन गोयल ने विद्यालय का गौरव जनपद स्तर पर बढ़ाने के साथ अपने परिवार का भी गौरव बढ़ाया है। इसलिए सिर्फ परीक्षाओं के समय ही नहीं निरंतर लग्नशील होकर शिक्षा का ग्रहण करने के साथ लगातार इसका अध्ययन करेंगे तो निश्चित रूप से सफलता कदम चूमेगी। उप प्रबंधक पूर्व अध्यक्ष गुगल किशोर अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष तीन छात्राओं द्वारा जनपद में विद्यालय का नाम रोशन किया।

विद्यालय की टॉप टेन सूची में शामिल हाईस्कूल की छात्रा नेहा अग्रवाल, रिया अग्रवाल, निशा, गोहिनी वर्मा, अंजलि, राधिका गौतम, शालू, परी, सोनम, निधि शर्मा, खुशी कुमारी (इंटरमीडिएट), साक्षी बंसल, अनीशा सिसोदिया, मान्यता सिंह, चारूल, मोहिनी, प्रियांशी कटारा, प्रियंका चौधरी, खुशी चौधरी, चंचल, किरण सागर, रेनू को प्रबंधक राजकुमार बंसल, राधारमन अग्रवाल, अजय बंसल, देवकीनंदन अग्रवाल, अनुपम जिंदल, सर्वेश जिंदल, गिर्राज किशोर मित्तल ने सम्मानित किया है। इस मौके प्रधानाचार्य मंजेश लता, पिंकी पाराशर, शीतेश शर्मा, मंजू चौहान, रा. जकुमारी, सुधारानी, वंदना अस्थाना, सविता कुलश्रेष्ठ, रेखा शर्मा, नूतन गौतम, नेहा शर्मा, चंचल अग्रवाल, याशिका वार्षणेय, संजीव जैन लुहाडिया, अरविंद दुबे, सुरेश चंद्र, देवराज सिंह आदि मौजूद रहे।

हाथरस गेट पुलिस ने ने तमंचा सहित दबोचा

हाथरस। पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल के आदेशानुसार चलाये जा रहे संदिग्ध व्यक्ति, वाहन चेकिंग अभियान के तहत कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतयेन्द्र सिंह राघव व उपनिरीक्षक मकसूद अहमद ने शक्ती उर्फ राजा पुत्र रंजीत सिंह निवासी चौकेली मक्खनपुर फिरोजाबाद को गिरफ्तार कर कब्जे से अवैध तमंचा व जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया है।

भागवत कथा सुनने पहुची सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर

क्षेत्रीय मंत्री डौली माहौर एवं भागवत कमेटी ने सदर विधायक का किया स्वागत

(भव्य प्रभात)

हाथरस। नगला बेलन शाह माहौर धर्म शाला में 29 अप्रैल से चल रही श्री मद भागवत में 1 मई को सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर भागवत में शामिल हुईं जिसमें कथा वाचक श्री चंद्रमोहन पाठक महाराज ने विधायक को आशीर्वाद दिया क्षेत्रीय मंत्री डौली माहौर एवं भागवत कमेटी ने बहन अंजुला माहौर , पूर्व जिला अध्यक्ष गौरव आर्य नगर अध्यक्ष मूलचंद वार्ष्णेय, पूर्व सभासद संजय सक्सेना, जिला उपाध्यक्ष मोहन पण्डित , दिनेश शर्मा आदि सभी का पगड़ी पहनाकर एवं गले में पट्टिका डालकर सम्मान किया इस अवसर पर भागवत कमेटी के सदस्य बासुदेव माहौर, नानक चंद माहौर, सुरेश चंद्र कुशवाहा, महेश वर्मा, दीपक माहौर, मुबीन खान, अमित माहौर कन्हिया लाल वार्ष्णेय, मानेंद्र माहौर भोला शर्मा आदि

पोस्टर्स, नारे और स्लोगन के माध्यम से वोटों का महत्व एवं मतदान के प्रति किया जागरूक

(भव्य प्रभात)

हाथरस। विनायक इंटरनेशनल स्कूल,हाथरस के परिसर से मतदाता जागरूकता अभियान के तहत हाथरस शहर भर में "मतदान जागरूकता रैली" निकाली गई, जिसमें विद्यार्थियों एवम स्कूल स्टाफ मेंबर्स ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न पोस्टर्स, नारे और स्लोगन के माध्यम से वोटों का महत्व एवं मतदान क्यों आवश्यक है, विषय पर चर्चा करते हुए बताया कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है, जहां गांव से लेकर देश तक की सरकारों का गठन लोगों के द्वारा मतदान के द्वारा ही किया जाता है ।

हर नागरिक को अपने वोट का महत्व अवश्य समझना चाहिए । मतदाता लोकतंत्र की रीढ़ होता है, भावी मतदाताओं को भी मतदान के महत्व को समझना चाहिए। क्यूंकि हमने इतने वर्षों की पराधीनता के बाद यह स्वतंत्रता पाई है । इसलिए सरकार के गठन में हर व्यक्ति की सहभागिता मतदान के द्वारा ही सुनिश्चित होगी ।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादक: अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com

समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी. आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
विभा प्रिंटर्स
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

जोनल,सैक्टर मजिस्ट्रेट के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी अर्चना वर्मा ने आवश्यक दिशा निर्देश

बी0एल0ओ0 द्वारा शत प्रतिशत हो मतदाता पर्चियों का वितरण

(भव्य प्रभात)

हाथरस । लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्षपूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु सेंट फ्रांसिस इंटर कॉलेज में आयोजित जोनल,सैक्टर मजिस्ट्रेट के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी अर्चना वर्मा ने आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने जोनलध्सैक्टर मजिस्ट्रेट अपने अपने बूथों का निरीक्षण करने एवं यदि बूथ पर किसी प्रकार की कमी हो तो तत्काल संबंधित ए0आर0ओ0 को अवगत करना सुनिश्चित करें। बूथ भ्रमण के दौरान यह भी सुनिश्चित करें कि बी0एल0ओ0 द्वारा मतदाता पर्चियों का वितरण शतप्रतिशत हों। उन्होने समस्त जोनलध्सैक्टर मजिस्ट्रेट अपने अपने संबंधित ए0आर0ओ0, क्षेत्राधिकारी, स्वास्थ्य केन्द्रो एवं कंट्रोल रूम सहित समस्त प्रभारियोंध्नोडल अधिकारियों के मोबाइल नम्बर डायरी में अवश्य दर्ज कर लें जिससे कि आवश्यकता पडने पर तत्काल सम्पर्क किया जा सकें। उन्होनें कहा कि निर्वाचन से जुड़े सभी कार्यों को आसानी से और बेहतर तरीके से करने के लिए सबसे जरूरी यह है कि उसकी पूरी प्रक्रिया को भलीभाति समझ लें। समस्त जोनलध्सैक्टर मजिस्ट्रेट यह सुनिश्चित कर लें कि उनके दायित्वों की जानकारी एकदम सही एवं सटीक हो। मतदान के दौरान पीठासीन के लिए निर्धारित

उत्तरदायित्वों की जानकारी विस्तारपूर्वक प्राप्त करें। यदि कहीं भी कोई भ्रांति हो तो उसे बार–बार पूछें, लेकिन एकदम पुष्ट जानकारी होनी चाहिए। जितनी अच्छी जानकारी होगी, उतनी ही आसानी से चुनाव प्रक्रिया को संपन्न करा पाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित समस्त जोनलध्सैक्टर मजिस्ट्रेट से कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने आपको अपना प्रतिनिधि मानते हुए निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, पारदर्शी ढंग से निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण करने की जवाबदेही प्रदान की है। आपको अतिरिक्त शक्ति भी आयोग द्वारा प्रदान की गई है, दी गई शक्तियों का क्षेत्र में निष्पक्ष, पारदर्शी तरीके से प्रयोग करते हुए मतदान कराना सुनिश्चित करें। उन्होंनें कहा कि पोलिंग पार्टी की जिम्मेदारी भी आपको दी गई है उनका सुरक्षित मतदान केंद्र तक पहुंचना, मतदान को शान्ति पूर्ण सम्पन्न करना, मतदान के बाद सुरक्षित जनपद मुख्यालय स्ट्रांग रूम तक वापस पहुंचना आपकी जिम्मेदारी है।

पोलिंग पार्टी क्षेत्र में किसी का भी आथित्य स्वीकार नहीं करें इसे भी सुनिश्चित करें। उन्होंने आगाह किया कि दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही मिलने पर दोषी अधिकारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सभी सैक्टर मजिस्ट्रेट भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी निर्देशों से अपडेट होकर अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करें। उन्होंने लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 को टैक्नोलोजी बेस्ड इलैक्शन बताते हुए अधिकारियों से स्पष्ट अपेक्षा की कि जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण माहौल में निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिये वह निष्पक्ष होकर पारदर्शिता के साथ अपने दायित्यों को निभाएं। उन्होंने कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेट को कार्यकारी मजिस्ट्रेट की शक्तियॉ प्रतिनिधानित की गई हैं। अतः वह इन शक्तियों का प्रभावी इस्तेमाल करके निर्वाचन क्षेत्र में शांतिपूर्ण माहौल में सकुशल चुनाव सम्पन्न कराने हेतु पूरी जिम्मेदारी से अपनी ड्यूटी को अंजाम दें। मुख्य विकास अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, अपर जिलाधिकारी न्यायिक, समस्त सहायक रिटर्निंग अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, अपर जिला सूचना अधिकारी, ई0डी0एम0 आदि उपस्थित रहें।

मतदान कार्य में लगाये गये कार्मिक ३ से ५ मई तक कलेक्ट्रेट पहुच पोस्टल बैलेट से कर सकते है मतदान

हाथरस। भारत निर्वाचन आयोग के आदेशानुसर जिला निवार्चन अधिकारी अर्चना वर्मा ने बताया है कि मतदान कार्य में लगाये गये कार्मिकों वीडियोग्राफर माइको आब्जर्वर, सैक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट, मतदान पार्टियों व सुरक्षा कार्मिकों, वाहनों चालक एवं क्लीनरों को पोस्टल बैलेट से मतदान करने की सुविधा प्रदान की गई है। इसके लिए रिटर्निंग ऑफिसर के मुख्यालय पर पोस्टल बैलेट से मतदान करने के लिये कलेक्ट्रेट स्थित फेसिलिटेशन केन्द्र पर 3 से 5 मई तक प्रातः 10 बजे से भाम 5 बजे तक मतदान कर सकेंगे।

महिला को काफी समय से कर रहा ब्लैकमेल

(भव्य प्रभात)

हाथरस। हाथरस गेट कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला का आरोप है कि कोतवाली सदर क्षेत्र के दिल्ली वाला चौक निवासी व्यक्ति काफी दिन से पीछा कर उत्पीड़न कर रहा है। आरोप है कि महिला को आरोपी काफी समय से ब्लैकमेल कर परेशान कर रहा है। महिला जहां पर नौकरी करती थीं, वहां पहुंचकर बदत्तमीजी की और जान से मारने की धमकी दी। जिसके कारण मजबूरन महिला ने नौकरी छोड़ दी। जिसके बाद आरोपी महिला को फोटो व चीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। अश्लील हरकत करता है. विरोध करने पर महिला के ऊपर तेजाब फेंकने की धमकी भी देता है। आरोपी की बात न मानने पर महिला के पति व बच्चों को जताने व जान से मारने की धमकी देता है। फोन पर भी धमकी दी गई।

क्षेत्र में भैंस चोरों का गैंग सक्रीय

गांव मऊ में जगार हो जाने पर घटना को अंजाम दिए बिना भागे भैंस चोर

(भव्य प्रभात)

हाथरस। सिकंदराराव तहसील क्षेत्र में भैंस चोरों का गैंग सक्रीय है। और वह आए दिन भैंस चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। सोमवार को तहसील क्षेत्र के गांव मऊ में भैंस चोर गैंग के आठ सदस्य तमंचा आदि से लैस होकर बिना नंबर की मैक्स गाड़ी से घटना को अंजाम देने के लिए आए परंतु गांव में जगार हो जाने पर वह बिना घटना को अंजाम दिए ही भाग गए। बदमाशों ने वहा कूड़ा डालने गए एक व्यक्ति के साथ मारपीट की और उसे वहीं बांध कर डाल दिया।

बता दें कि सोमवार सुबह लगभग चार बजे गांव मऊ निवासी प्रमोद पुत्र भगवान सिंह गांव के बाहर मौजूद घूरे पर कूड़ा डालने गया था। तो उसने वहां आठ लोगों को बिना नंबर की मैक्स गाड़ी को लेकर गांव के बाहर सड़क किनारे संदिग्ध अवस्था में खड़े देखा। उन्होंने गाड़ी को स्टार्ट कर रखा था और सभी के हाथों में तमंचे लगे हुए थे। यह सब देखकर प्रमोद घबरा गया और शोर मचाते हुए वापस गांव की और भागने लगा। तो बदमाशों ने उसे पकड़ लिया और उसके साथ मारपीट कर उसे वहीं बांध कर डाल दिया। इतने में गांव से कुछ और लोग उधर आए तो जगार हो जाने पर बदमाश बिना घटना को अंजाम दिए वहां से भाग गए। क्षेत्र में भैंस चोरों का गैंग सक्रीय है जो लगातार घटनाओं को अंजाम दे रहा है।

जिला निर्वाचन अधिकारी अर्चना वर्मा ने पोलिंग पार्टियों की रवानगी की तैयारियों को देखा

(भव्य प्रभात)

हाथरस । लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 के दृष्टिगत पोलिंग पार्टियों की रवानगी हेतु एम0जी0 पॉलिटेक्निक में चल रही तैयारियों का जिला निर्वाचन अधिकारी अर्चना वर्मा ने भ्रमण कर यथा स्थिति का जायजा लिया और सम्बन्धित अधिकारियों,कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने सर्वप्रथम विधान सभावार पोलिंग पार्टियों की रवानगी एवं मतदान के पश्चात ई0वी0एम जमा किये जाने हेतु तैयार किये गये ले–आउट प्लान का गम्भीरता पूर्वक अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप मूलभूत आवश्यक सुविधाओं को दुरस्त करने तथा प्रभारी अधिकारी नगर पालिका को अधिक संख्या में कर्मचारियों को लगाते हुए साफ–सफाई कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी, प्रभारी अधिकारी निर्वाचन, प्रधानाचार्य एम0जी0 पॉलिटेक्निक आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामने में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

हाथरस। हाथरस जंक्शन पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मामने में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक निपुण अग्रवाल के आदेशानुसार फरार व वांछित अभियुद्धों की गिरफ्तारी के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत हाथरस जंक्शन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने संजय उर्फ संजू पुत्र सत्यपाल सिंह निवाती ततारपुर सासनी को गिरफ्तार किया गया है। हाथरस जंक्शन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह ने बलया कि गिरफ्तार अभियुक्त संजय उर्फ संजू एक शातिर अपराधी है, जिसके विरुद्ध चोरी के अभियोग पंजीकृत है जो पूर्व में भी जेल जा चुका है।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान

रिंकू बाहर, पंत के साथ सैमसन होंगे दूसरे विकेटकीपर

नई दिल्ली। भारतीय टीम से तीन बड़े चेहरों को बाहर किया गया है, जो हाल फिलहाल में टीम इंडिया का हिस्सा थे। इनमें केएल राहुल के अलावा रिंकू सिंह और शुभमन गिल शामिल हैं। आगामी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया खेलती दिखेगी। वहीं, हार्दिक पांड्या उपकप्तानी करते दिखेंगे। टीम में दो विकेटकीपर शामिल किए गए हैं। इनमें ऋषभ पंत और संजू सैमसन शामिल हैं। वहीं, केएल राहुल को टीम से बाहर कर दिया है। राहुल पिछले टी20 विश्व कप में भारतीय टीम के हिस्सा थे। टी20 विश्व कप की शुरुआत एक जून से वेस्टइंडीज–अमेरिका की सह–मेजबानी में हो रही है, जबकि फाइनल 29 जून को खेला जाएगा। टीम को लेकर कप्तान रोहित शर्मा और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर दो मई को शाम चार बजे मुंबई में बीसीसीआई मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को भी संबोधित करेंगे। भारत ने 2007 में जीता था पिछला टी20 विश्व कप भारतीय टीम ने पिछला टी20 विश्व कप 2007 में जीता था। यह इस प्रारूप का पहला संस्करण था। 17 साल से भारत इस ट्रॉफी को जीतने के लिए जूझता रहा है। पिछली बार यानी 2022 में भारत सेमीफाइनल में इंग्लैंड से 10 विकेट से हार गया था। अब रोहित शर्मा की अगुआई में यह 15 खिलाड़ी 17 साल के टी20 विश्व कप ट्रॉफी के सूखे को खत्म करने उतरेंगे। भारत ने पिछली बार कोई आईसीसी ट्रॉफी 2013 में जीता था। रोहित एंड कंपनी 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को भी खत्म करना चाहेगी। 2023 में हुए वनडे विश्व कप में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया से फाइनल में हार गई थी। शिवम दुबे को रिंकू पर तरजीह भारतीय टीम से तीन बड़े चेहरों को बाहर किया गया है, जो हाल फिलहाल में टीम इंडिया का हिस्सा थे। इनमें केएल राहुल के अलावा रिंकू सिंह और शुभमन गिल शामिल हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने रिंकू और शुभमन को ट्रैवलिंग रिजर्व में रखा है। रिंकू पर शिवम दुबे को तरजीह दी गई है। काफी पहले से इस बात की चर्चा हो रही थी कि अगर हार्दिक को चुना जाता है तो शिवम–रिंकू में से किसी एक को ही मौका मिलेगा। वहीं, यशस्वी और शुभमन में से किसी एक को मौका देना था। चयनकर्ताओं ने यशस्वी को शुभमन पर तरजीह दी है। युवराज ने भी शिवम का समर्थन किया था भारत को 2007 टी20 विश्व कप और 2011 वनडे विश्व कप जिताने वाले पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी शिवम दुबे को शामिल करने का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था कि शिवम लंबे–लंबे छक्के लगा रहे हैं और वह अंतर पैदा कर सकते हैं। टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीमरू रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या (उपकप्तान), शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज। विकेटकीपर के तौर पर पंत और सैमसन विकेटकीपर के तौर पर चयनकर्ताओं ने ऋषभ पंत और संजू सैमसन को मौका दिया है। कार दुर्घटना के बाद से वापसी करते हुए पंत ने इस आईपीएल में शानदार फॉर्म दिखाया है।

आखिरी बार खेलते हुए हार के बाद भावुक हुए नडाल

मैड्रिड। बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चौम्पियन रफेल नडाल मैड्रिड ओपन के चौथे दौर में मिली हार के बाद भावुक हो गए चूंकि यहां वह आखिरी बार खेल रहे हैं। पांच बार के चौम्पियन नडाल को 31वीं रैंकिंग वाले जिरि लेहेका ने 7 . 5, 6 . 4 से हराया। हार के बाद नडाल ने कहा ,'' यह काफी कठिन दिन है लेकिन यही हकीकत है। मेरा शरीर और जिंदगी काफी समय से संकेत दे रहे हैं। मैं इस कोर्ट को अलविदा कह रहा हूं और मेरे लिये यह बहुत भावुक पल है। यहां की यादें सदैव मेरे साथ रहेंगी।'' नडाल के हमवतन स्पेन के ही कार्लोस अल्काराज तीन घंटे तक चले मैच में जान लेनार्ड स्ट्रफ को 6 . 3, 6 . 7, 7 . 6 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनेर ने 16वीं वरीयता प्राप्त कारेन खाचानोव को 5 . 7, 6 . 3, 6 . 3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। तीसरी वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदव ने अलेक्जेंडर बुबलिक को 7 . 6, 6 . 4 से हराया। महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने बीट्रिज हदाद माइया को 4 . 6, 6 . 0, 6 . 2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका सामना अमेरिका की 18वीं वरीयता प्राप्त मेडिसन कीस से होगा जिन्होंने आठवीं वरीयता प्राप्त ओंस जबाउर को 0 . 6, 7 . 5, 6 . 1 से हराया।

नडाल ने कड़े मुकाबले में केचिन को हराया, स्वियातेक महिला क्वार्टर फाइनल में

दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी राफेल नडाल ने सोमवार को मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में तीन घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में पेड्रो केचिन को तीन सेट में शिकस्त दी। नडाल ने दुनिया के 91वें नंबर के खिलाड़ी केचिन को पुरुष एकल मुकाबले में 6–1, 6–7, 6–3 से हराया। पांच बार के चौंपियन नडाल ने इस जीत के साथ प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। नडाल अगले दौर में 31वें नंबर के खिलाड़ी जिरी लेहेका से भिड़ेंगे। शीर्ष वरीय यानिक सिनर अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं दिखाने के बावजूद पावेल कोतोव को 6–2, 7–5 से हराने में सफल रहे। वह प्री क्वार्टर फाइनल में 16वें वरीय कारेन खचानोव से भिड़ेंगे। तीसरे वरीय दानिल मेदवेदेव हार से सिर्फ दो अंक दूर थे लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए सबेस्टियन कोर्डा को 5–7, 7–6, 6–3 से हरा दिया जबकि पांचवें वरीय कास्पर रूड ने कैमरन नोरी को 6–2, 6–4 से हराया। महिला एकल में मेडिसन कीज ने कोको गॉफ को 7–6, 4–6, 6–4 से हराकर क्वार्ट फाइनल में प्रवेश किया। वह अगले दौर में ओन्स जेब्युर से भिड़ेंगी जिन्होंने येलेना ओस्टापेंको को 6–0, 6–4 से शिकस्त दी। शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने सारा सोरिबेस टोर्मो को एकतरफा मुकाबले में 6–1, 6–0 से हराकर मैड्रिड में पहले खिताब की ओर कदम बढ़ाए। अगले दौर में स्वियातेक की भिड़ंत 11वीं वरीय बीट्रिज हदाद माइया से होगी जिन्होंने पांचवीं वरीय मारिया सकारी को 6–4, 6–4 से हराया।

चीन ने भारतीय महिला टीम को 5-0 से हराया

युवा सनसनी अनमोल खरब को टखने में चोट के कारण आंखों में आंसुओं के साथ कोर्ट से हटना पड़ा जबकि भारत की कमजोर महिला टीम को मंगलवार को उबेर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए मैच में चीन ने 5–0 से रौंद दिया। कनाडा और सिंगापुर के खिलाफ लगातार मुकाबलों में जीत के साथ क्वार्टर फाइनल के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके भारत ने अश्मिता चालिहा को 15 बार की चौंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले में नहीं उतारा। भारत पहले ही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के बिना खेल रहा है जिन्होंने टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया। चीन के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगता है कि भारतीय खिलाड़ी पांच मैचों में एक भी गेम नहीं जीत सके। भारत की मुसीबत उस समय और बढ़ गई जब 17 साल की अनमोल को दूसरे एकल मुकाबले के दौरान टखना मुड़ने के कारण मैच के बीच से हटना पड़ा। ओलंपिक चौंपियन और दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी चेन यूफेई ने 83वें नंबर की इशारानी बरूआ के खिलाफ महिला एकल में 21–12 21–10 की आसान जीत के साथ चीन को 1–0 की बढ़त दिलाई। इशारानी ने मैच के बाद कहा, ''मैं अपने खेल को लेकर थोड़ी निराश हूं क्योंकि मैंने काफी गलतियां की।

भारत की सोने की मांग जनवरी–मार्च में उच्च कीमत के बावजूद 8% बढ़कर 136.6 टन

नयी दिल्ली। भारत की सोने की मांग कीमतों के ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचने के बावजूद मजबूत आर्थिक माहौल के दम पर जनवरी–मार्च तिमाही में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत बढ़कर 136.6 टन हो गई। विश्व स्वर्ण परिषद ने यह जानकारी दी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा सोने की खरीद से भी मांग में वृद्धि हुई। इस वर्ष जनवरी–मार्च में मूल्य के संदर्भ में भारत की सोने की मांग वार्षिक आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 75,470 करोड़ रुपए हो गई। इसका कारण मात्रा में वृद्धि के साथ–साथ तिमाही औसत कीमतों में 11 प्रतिशत की वृद्धि भी है। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) ने मंगलवार को अपनी वैश्विक रिपोर्ट 'गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स क्यू1 2024 जारी की। इसके अनुसार, भारत की कुल सोने की मांग, जिसमें आभूषण तथा निवेश दोनों शामिल हैं...इस साल जनवरी–मार्च में बढ़कर 136.6 टन हो गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 126.3 टन थी। भारत में सोने की कुल मांग में से आभूषणों की मांग चार प्रतिशत बढ़कर 95.5 टन हो गई। कुल निवेश मांग (बार, सिक्के आदि के रूप में) 19 प्रतिशत बढ़कर 41.1 टन हो गई। डब्ल्यूजीसी के भारत में क्षेत्रीय मुख्य कार्यकारी अधिकारी सचिन जैन ने कहा कि सोने की मांग में वृद्धि भारतीयों के सोने के साथ स्थायी रिश्ते की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा, ''भारत का निरंतर मजबूत वृहद आर्थिक परिवेश सोने के आभूषणों की खपत के लिए सहायक रहा, हालांकि मार्च में कीमतें ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गईं। इससे तिमाही समाप्त होने पर बिक्री कम हुई। जैन को उम्मीद है कि इस वर्ष भारत में सोने की मांग 700–800 टन के आसपास रहेगी। उन्होंने कहा कि अगर कीमतों में तेजी जारी रहती है तो मांग इस सीमा के निचले स्तर पर हो सकती है। 2023 में देश में सोने की मांग 747.5 टन थी। मांग वृद्धि को बढ़ावा देने वाले कारकों के बारे में पूछे जाने पर जैन ने कहा, ''ऐतिहासिक रूप से, भारत और चीन सहित दुनिया के पूर्वी बाजार में तब्दीली तब आती है जब कीमतें नीचे जा रही होती हैं और उतार–चढ़ाव होता है, जबकि पश्चिमी बाजार में तब्दीली तब आती है जब कीमतें ऊपर जा रही होती हैं।श्श उन्होंने कहा, ''पहली बार हमने पूर्ण उलटफेर देखा है, जहां भारतीय और चीनी बाजारों में सोने की कीमतों में वृद्धि पर तब्दीली आई है।

एआईएफएफ अध्यक्ष ने अतीत में गलत प्राथमिकताओं का मुद्दा उठाया

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने मंगलवार को कहा कि अतीत में केवल ओलंपिक और एशियाई खेलों में भाग लेने पर ध्यान केंद्रित करने की देश की गलत प्राथमिकता के कारण शायद मौका गंवाया गया और विश्व स्तर पर टीम लगभग निचले स्तर पर है। भारत की फीफा रैंकिंग में इस समय गिरावट आ रही है जिसका कारण एशियाई कप में उसका एक भी मैच नहीं जीतना और उसके बाद 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में निचली रैंकिंग वाले अफगानिस्तान से 1–2 से हार है। भारत के पूर्व गोलकीपर चौबे ने 1974 एशियाई युवा चौंपियनशिप में भारत की जीत के 50 साल के जश्न के मौके पर कहा, ''1947 से 1960 तक भारत ने नियमित रूप से चार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया और एशिया की दिग्गज टीम थे। तो भारत कहां पीछे रह गया? 1990 के दशक की शुरुआत में भी, जब मैं खेला करता था तब मुझे याद है कि भारत की रैंकिंग 90 से नीचे थी।'' उन्होंने कहा, ''अगर भारत विश्व कप (1950) में खेलता तो उन्हें शीर्ष रैंकिंग वाले देशों का सामना करना पड़ता और वे पिछड़ते नहीं।''

तनीषा मुखर्जी

बोलीं....

लगता था एक फिल्म फ्लॉप तो जिंदगी फ्लॉप, इसीलिए मेरा करियर आगे नहीं बढ़ा

एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी की शुरुआती फिल्में फ्लॉप रही हैं। इस बुरे वक्त में बहन काजोल के पति अजय देवगन ने उनकी मदद की थी। अजय ने काम बैलेंस करने के लिए तनीषा को सेक्रेटरी दिलाया था। तनीषा ने हालिया इंटरव्यू में यह भी बताया कि अजय नेकदिल इंसान हैं और वो फैमिली का बखूबी ख्याल भी रखते हैं। 2–3 साल तनीषा के पास काम नहीं था सिद्धार्थ कानन को दिए इंटरव्यू में तनीषा ने बताया कि शुरुआती फिल्में फ्लॉप होने के बाद उनके पास 2–3 साल बिल्कुल काम नहीं था। दरअसल, उनकी शुरुआती फिल्में फ्लॉप रही थीं। तनीषा का कहना था कि उन्होंने ये फिल्में नए डायरेक्टर्स के साथ की थीं, जिसका निगेटिव असर करियर पर पड़ा। बुरे दौर में अजय बने मसीहा तब इस वक्त अजय देवगन उनके सहारा बने थे। तनीषा ने कहा– जब उन्होंने मेरी हालत देखी तो उन्होंने कहा– अब सब मुझे करने दो। इसके बाद उन्होंने मुझे सेक्रेटरी दिलाया। उस समय हर स्टार के पास सेक्रेटरी थे। उन्होंने केएस संजय को मेरा सेक्रेटरी बनाया था। इसके बाद मेरे करियर में उछाल देखने को मिला था। इंटरव्यू के दौरान तनीषा ने काजोल के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा– काजोल ने मेरी फिल्म नील एन निक्की आज तक नहीं देखी है। दरअसल, उस फिल्म में बहुत ज्यादा किसिंग सीन्स थे। यहां तक की मैं दोस्तों के बच्चों को भी कहती हूं कि वो बड़े होने के बाद ही यह फिल्म देखें। तनीषा का यह भी मानना है कि अगर यह फिल्म उन्हें आज ऑफर हुई होती तो उसे अलग अंदाज में करतीं। सिल्वर स्क्रीन पर नहीं चला तनीषा का जादू डेब्यू फिल्म स्सशह के बाद तनीषा को फिल्म नील श्एनश निक्की, सरकार और टैंगो चार्ली जैसी फिल्मों में देखा गया था। हालांकि, इसके बावजूद वो सिल्वर स्क्रीन पर अपनी छाप छोड़ने में नाकामयाब रहीं और फिल्मों से दूरी बना ली। 2013 में उन्होंने बिग बॉस 7 में देखा गया था। इस सीजन की वो फर्स्ट रनरअप भी बनी थीं। फिलहाल वो झलक दिखला जा सीजन 11 में बतौर कंटेस्टेंट नजर आ रही हैं। पहली फिल्म की शूटिंग के दौरान सेट पर बेहोस हो जती थी तनीषा मुखर्जी, एक्ट्रेस ने किया बड़ा खुलासा बॉलीवुड इंडस्ट्री एक्ट्रेस काजोल की बहन तनीषा मुखर्जी आज के समय में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। तनीषा आए दिन सुर्खियों में छाई रहती हैं। एक्ट्रेस को हाल ही में टीवी शो 'झलक दिखला जा' सीजन 11 में बतौर कंटेस्टें नजर आई थी। तनीषा ने अपने करियर में हिंदी, तमिल और तेलुगु सहित कई भाषाओं की फिल्मों में काम किया है। एक्ट्रेस ने साल 2003 में में फिल्म 'श्श्श' से अपना डेब्यू किया था। तनीषा ने उनकी पहली फिल्म के दौरान की एक घटना को साझा किया है। इस दौरान वह एक दुर्घटना का शिकार हो गई थीं। तनीषा ने बताया कि इस फिल्म के दौरान वह एक पहाड़ से गिर गईं और उनके दिमाग में चोट आ गई थी। इसके बावजूद भी उन्होंने फिल्म की शूटिंग जारी रखी थी। तनीषा ने किया बड़ा खुलासा आपको बता दें कि हाल ही में एक मीडिया चौनल से बातचीत के दौरान तनीषा ने बताया कि, उन्हें एक घटना में चोट लगने की वजह से उन्हें काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा था। वह अक्सर सेट पर बेहोश भी हो जाती थीं। तनीषा ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना तब घटी जब वह अपनी पहली फिल्म की शूटिंग कर रही थीं। एक्ट्रेस ने कहा, 'मेरे दिमाग में चोट आ गई थी। मैं एक पहाड़ से गिर गई थी और मुझे गंभीर चोट लग गई थी। इसके बाद लगभग एक वर्ष तक मुझे नियमित ईईजी करानी पड़ी। क्योंकि यह जानना जरूरी था कि क्या मेरे मस्तिष्क की सूजन कम हो गई है। मुझे इससे ठीक होने में पूरा एक साल लग गया था।' एक्ट्रेस को करना पड़ा था काफी मुश्किलों का सामना गौरतलब है कि तनीषा ने आगे कहा, 'मैं सचमुच में दो घंटे शूटिंग करती थी और तीन घंटे सोती थी। मैं दो घंटे तक शूटिंग करती थी और इस दौरान काफी बिजी होती थी। इसलिए मैं बेहोश हो जाती थी। मैं जगे नहीं रह सकती थी, क्योंकि मेरा दिमाग बहुत थक जाता था।' उन्होंने कहा कि इस दौरान उन्होंने काफी कठिनाइयों का सामना किया, लेकिन वह निर्माताओं के समर्थन के लिए आभारी हैं। एक्ट्रेस ने आगे बताया, 'दर्शकों को यह पता नहीं है इसलिए वे सिर्फ आपको जज कर रहे हैं। फिल्म इंडस्ट्री में हर किसी को इसके बारे में पता नहीं था। इसलिए वे सिर्फ आपको जज कर रहे हैं, क्योंकि वे यही करते हैं।' तनीषा मुखर्जी बोलीं– लगता था एक फिल्म फ्लॉप तो जिंदगी फ्लॉप, इसीलिए मेरा करियर आगे नहीं बढ़ा एक्ट्रेस तनीषा मुखर्जी ने लेटेस्ट इंटरव्यू में अपनी नई फिल्म और करियर के बारे में बात की। तनीषा ने बताया कि उनका करियर क्यों आगे नहीं बढ़ा और पिता की कौन सी बात न सुनने का पछतावा है। तनीषा अब जल्द ही फिल्म लव यू शंकर में नजर आएंगी।

नामचीन एक्ट्रेस तनुजा की बेटी और काजोल की छोटी बहन तनीषा मुखर्जी ने भी परिवार के बाकी सदस्यों की तरह एक्टिंग को करियर चुना पर उनके हिस्से दूसरों जितनी कामयाबी नहीं आई। साल 2003 में फिल्म श्श्श्शश से डेब्यू करने वाली तनीषा पर्दे पर कुछ गिनी–चुनी फिल्मों में ही नजर आईं। इन दिनों तनीषा चर्चा में हैं, फिल्म श्लव यू शंकरश को लेकर। इसी सिलसिले में उन्होंने हमने अपने फिल्मी सफरनामे पर की खास बातचीतरूआपको बॉलीवुड में करीब बीस साल हो गए, मगर आप काफी कम फिल्मों में ही नजर आई हैं। आप अचानक... आपके परिवार में मां तनुजा, बहन काजोल, जीजा अजय देवगन सभी बड़े स्टार रहे हैं। ऐसे में, आपकी तुलना उनसे होना लाजिमी है। आप इसे कैसे लेती हैं?हमारे परिवार में ऐसी तुलना नहीं होती। बाहर होती है लेकिन हमें कभी महसूस नहीं होता है, क्योंकि हम बाहर के लोगों की नहीं सुनते।

मृणाल ठाकुर ने की बॉडी शेमिंग पर बात

इन दिनों इंडस्ट्री में मृणाल ठाकुर से लोग उनके फिटनेस के बारे में सवाल पूछ रहे हैं। लेकिन एक ऐसा भी वक्त था जब उन्हें अपनी बॉडी के लिए खूब ट्रोलिंग सहनी पड़ती थी। बॉडी शेमिंग का शिकार हो चुकीं मृणाल ने कहा– सोशल मीडिया पर लोग हमेशा से परफेक्ट होने का दिखावा करते हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने बताया कि उन्हें अपनी पसंद के कपड़े पहनने से पहले सोचना पड़ता था। लेकिन अब वो इन सब की परवाह नहीं करती हैं। बातचीत के दौरान जब उनसे शादी और रिलेशनशिप के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया कि वो एग्स फ्रीजिंग के बारे में भी सोच रही हैं। उन्हें शादी करने में समस्या नहीं है, लेकिन एक सही पार्टनर मिलना बहुत मुश्किल है। मृणाल का कहना है कि हर किसी की जिंदगी में अच्छे और बुरे दिन आते हैं। उनकी भी लाइफ में वो समय आया था, जब उन्हें अपने बेड से उठने का मन ही नहीं करता था। लेकिन हमें अपने बुरे दिन से प्रभावित नहीं होना चाहिए। अपनी पसंद के कपड़े नहीं पहन पाती थीं मृणाल ठाकुर ह्यूमन्स ऑफ बॉम्बे को दिए इंटरव्यू के अनुसार, अपनी पीयर शेप बॉडी को लेकर एक्ट्रेस ने कहा– मैं अपनी कर्वी बॉडी दिखाकर ब्यूटी के स्टैंडर्ड को बदलने वाली हूं। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब वो बॉडी हगिंग ड्रेसेस पहनने से डरती थीं। लेकिन अब वो किसी भी तरह की ड्रेस पहनने से पीछे नहीं हटती हैं, फिर चाहे वो बॉडी हगिंग ड्रेस हो या क्रॉप टॉप हो। उनका मानना है कि ब्यूटी स्टैंडर्ड सेट करने के लिए कार्दशियन सिस्टर्स की ही जरूरत क्यों है।

स्वीप मीटिंग से राजस्व विभाग नदारद

नसीराबाद,रायबरेली। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी हर्षिता माथुर एड़ी चोटी का जोर लगा रही हैं वहीं उनके अधीनस्थ राजस्व विभाग के कर्मचारी इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। 20 मई को पांचवें चरण में जनपद रायबरेली और अमेठी में लोकसभा के लिए चुनाव होना है। पिछले निर्वाचनों में मतदान कम हुआ था इसलिए मतदाताओं को जागरूक करने के लिए पोस्टर,बैनर, पैंफलेट,वॉल पेंटिंग,रैली,गोष्ठी, डोर टू डोर जनसंपर्क आदि तरह–तरह के उपक्रमों का सहारा लिया जा रहा है। इसी क्रम में ब्लॉक सभागार छतोह में स्वीप की ग्राम स्तरीय कोर कमेटियों की बैठक आयोजित की गई जिसमें ग्राम पंचायत सचिव,आंगनवाड़ी कार्यकत्री,सफाई कर्मचारी,रोजगार सेवक,बेसिक शिक्षक,समूह अध्यक्ष,वीसी सखी,कोटेदार आदि भारी संख्या में उपस्थित रहे किंतु उपजिलाधिकारी सलोन के आदेश के बावजूद क्षेत्रीय लेखपालों सहित कोई भी राजस्व कर्मी बैठक में उपस्थित नहीं हुआ। यहां तक कि पिछले चुनाव में 50 प्रतिशत से कम मतदान वाले गांवों काजीपुर तेलियानी, बरखुरदारपुर और परैया नमकसार के लेखपाल भी बैठक से नदारद रहे। बैठक में बीडीओ वीरेन्द्र प्रताप वर्मा ने कहा कि लोकतन्त्र का सबसे बड़ा पर्व है निर्वाचन और मतदान करना सभी मतदाताओं का नैतिक दायित्व है किन्तु मतदान का प्रतिशत कम होता जा रहा है इसे बढ़ाने में सहयोग करके हम लोकतंत्र को स्वस्थ और सबल बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। स्वीप कोआर्डिनेटर श्याम सुंदर पांडेय ने मतदाताओं को प्रेरित करने के अनेकों गुर बताए। बैठक में ग्राम स्तरीय कर्मचारियों की टोलियां बनाई गई जो मतदान के दिन बुलावा टोली के रूप में घर–घर जाकर मतदाताओं को बूथ तक बुलाकर लाएंगी और मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगी। सीडीपीओ कृष्णा तिवारी, एडीओ (आईएसबी) राकेश सोनी, एडीओ पंचायत नागेश कुमार आदि ने भी अपने सुझाव दिए। अन्त में खंड विकास अधिकारी वीरेंद्र प्रताप वर्मा ने सभी उपस्थित कर्मियों को मतदान करने की शपथ दिलाई।

अमेठी का विकास,छतोह में सरकारी बस सेवा नहीं

नसीराबाद, रायबरेली। विकास के सरकारी दावों की हवा निकल जाती है जब आप अमेठी संसदीय क्षेत्र की सलोन विधानसभा के छतोह ब्लॉक में पहुंचते हैं। आवागमन की सुविधाओं के नाम पर छतोह ब्लॉक में सरकारी बसों के चलने की जैसे मनाही है। मुद्दत हुई लोगों ने यहां की सड़कों पर सरकारी बसों को चलते नहीं देखा।लगभग 40 साल पहले जब यहां की सड़कों पर बड़े–बड़े पत्थर पड़े होते थे तो बभनपुर से लखनऊ और दिल्ली तक रोडवेज की बसें चलती थीं। जायस–परशदेपुर रायबरेली, जायस–सलोन– रायबरेली, सलोन–जायस–रायबरेली आदि बस सेवाओं के अलावा रायबरेली–सलोन–जायस–रायबरेली और रायबरेली–जायस –सलोन–रायबरेली सिटी बस सेवाएं उपलब्ध थीं। जैसे–जैसे सड़कों का विकास होता गया वैसे–वैसे सरकारी बसों की सुविधा बंद होती गई और अब स्थिति यह है कि लगभग 50 साल पहले से चल रही नसीराबाद–लखनऊ बस सेवा के अलावा पूरे ब्लॉक को एक भी रोडवेज बस सेवा उपलब्ध नहीं है। क्षेत्रीय विधायक और पूर्व राज्य मंत्री स्वर्गीय दल बहादुर कोरी ने मखदूमपुर–नसीराबाद–रायबरेली बस सेवा चलवाई थी किंतु कालांतर में वह भी बंद हो गई। बिना परमिट के चल रहे डग्गामार वाहन जहां आम जनता को खुलेआम लूट रहे हैं वहीं सरकारी राजस्व को चूना लगा रहे हैं। ताज्जुब तो इस बात का है कि इस ओर किसी भी जनप्रतिनिधि का ध्यान नहीं जा रहा है और अभूतपूर्व विकास के ढिंढोरे पीटे जा रहे हैं।

पति-पत्नी ने एक दूसरे के सामने ठोकी ताल,शिव शंकर सिंह पटेल और उनकी पत्नी ने भरा पर्चा

बांदा,(यूएनएस)। कलक्ट्रेट परिसर में भारी सुरक्षा के बीच समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार शिव शंकर सिंह पटेल ने अपने समर्थकों के साथ पर्चा दाखिल किया और साथ ही इंडिया गठबंधन के कांग्रेस जिला अध्यक्ष प्रद्युमन कुमार लाल दुबे, आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष अवधेश गुप्ता, सपा के अध्यक्ष डॉ मधुसूदन कुशवाहा के साथ कई कार्यकर्ता शामिल रहे। नामांकन दाखिल करने के बाद शिव शंकर सिंह पटेल ने कहा कि वह भारी मतों से चुनाव जीत रहे हैं। शिव शंकर सिंह पटेल के नामांकन के बाद उनकी पत्नी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने भी सपा के अधिकार पत्र के साथ अपना पर्चा दाखिल कर चौंका दिया।एक ही पार्टी से पति–पत्नी का नामांकन होने के बाद लोकसभा क्षेत्र में चर्चाएं तेजी हो गईं। हालांकि राजनीति कहना है कि पति–पत्नी में से एक ही चुनाव लड़ेगा, दोनों का नामांकन ऐतिहात के तौर पर कराया गया है।सभी उम्मीदवारों ने जिला निर्वाचन अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के सामने नामांकन दाखिल किया। अभी तक चली नामांकन प्रक्रिया के दौरान लोकसभा से 9 उम्मीदवारों ने अपनी दावेदारी लगाई है। सपा के दोनों उम्मीदवारों के अलावा भागी दारी पार्टी के पंचा उर्फ पंचम लाल, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया से रामचंद्र सरस, राष्ट्र उदय पार्टी से गुलाब चंद्र और निर्दलीय उम्मीदवार चंद्र भवन ने अपना परिचय दाखिल करके दावेदारी दी हैं नामांकन के दौरान कलेक्ट परसों में भारी पुलिस बल तैनात रहा है।

नामांकन के दूसरे दिन निर्दलीय उम्मीदवार ने भरा-पर्चा

उरई/जालौन,(यूएनएस)। जालौन में 20 मई को पांचवें चरण में मतदान होना है। जिसके लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है। नामांकन के दूसरे दिन जालौन में निर्दलीय उम्मीदवार चंद्रभान वर्मा टेंपो ड्राइवर ने अपना नामांकन पत्र रिटर्निंग ऑफिसर राजेश कुमार पांडेय के समक्ष दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए निर्दलीय उम्मीदवार ने कहा कि वह चालकों के हित में काम करेंगे, साथ ही वह जीतते है तो हिट एंड रन कानून को वापस कराने का काम करेंगे, साथ ही क्षेत्र में अच्छी सड़कों को बनवाने का काम करेंगे, जिससे चालकों को किसी प्रकार की समस्या न हो सके। वही दूसरे दिन 6 प्रत्याशियों द्वारा 10 नामांकन पत्र खरीदे गए। नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन निर्दलीय उम्मीदवार चंद्रभान वर्मा टेंपो ड्राइवर अपना नामांकन पत्र दाखिल करने पहुंचे, जिन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार पांडेय को अपना नामांकन पत्र दिया। नामांकन दाखिल करने के बाद निर्दलीय उम्मीदवार चंद्रभान वर्मा टेंपो ड्राइवर ने कहा कि पूरे देश में चालकों को सर्वाधिक समस्याएं होती हैं, वह खुद टेंपो ड्राइवर और वह चालकों के सम्मान में चुनावी मैदान में है।

अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में पलटा ऑटो,हादसे में एक की मौत, 5 शिक्षक घायल

उरई/जालौन,(यूएनएस)। जालौन में प्राईवेट स्कूल के शिक्षकों को लेकर जा रहा एक ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। इस हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि पांच शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, जिन्होंने सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक कौन है एक को मृत्यु घोषित कर दिया। जबकि पांच की हालत देखते हुए उन्हें हायर सेंटर उरई के लिए रेफर कर दिया। वहीं हादसे के बाद ऑटो चालक मौके से फरार हो गया। वहीं पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना जालौन कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जालौन उरई स्टेट हाईवे स्थित अकोढी दुबे गांव के पास की है। यहां उरई से एक ऑटो यूपी 92 एटी 7328 जालौन के लिए जा रहा था, जिसमें प्रवीण शुक्ला (36 वर्ष) पुत्र सुनील निवासी साहब जालौन, तथा उसके साथ स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में पढ़ने वाले शिक्षक रणधीर यादव (30 वर्ष) पुत्र हरगोविंद यादव निवासी झांसी, राहुल पांडेय 35 वर्ष पुत्र स्वर्गीय ओमप्रकाश निवासी अमराभट्ट कानपुर देहात, राज 18 वर्ष पुत्र राजू राजपूत निवासी करियापुर अमरा भट्ट कानपुर देहात, मनोज पांडेय (47 वर्ष) पुत्र ओमप्रकाश निवासी अमरा भट्ट कानपुर देहात तथा इरफान अली उम्र 28 वर्ष पुत्र मंसूर अली निवासी करियापुर अमराभट्ट कानपुर देहात सवार थे जैसे ही ऑटो जालौन उरई स्टेट हाईवे के ग्राम अकोढी दुबे के पास पहुंचा, तभी ऑटो रफ्तार तेज होने के कारण चालक अपना नियंत्रण खो बैठा, जिससे ऑटो सड़क किनारे खंती में जा पलटा। इस दौरान चालक मौके से भाग गया। इस हादसे के बाद उसमें सवार लोगों की चीख निकल पड़, जिसे सुनकर वहां से निकलने वाले राहगीर मौके पर पहुंचे, जिन्होंने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही जालौन कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस रडार पर गैंगस्टर कपिल की गर्लफ्रेंड

नोएडा,(यूएनएस)। नोएडा के सेक्टर–104 के हाजीपुर बाजार में 19 जनवरी को हुई एयरलाइंस कर्मी सूरज मान की हत्या के मामले में नोएडा पुलिस अब पांच आरोपियों की संपत्ति को कुर्क करने की तैयारी कर रही है। पांचों बीते कई महीने से फरार चल रहे हैं। पांचों पर इसी सप्ताह नोएडा पुलिस 25–25 हजार रुपए का इनाम भी घोषित करेगी। जिन आरोपियों की संपत्ति कुर्क होनी है उनमें दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर कपिल मान की गर्लफ्रेंड काजल खत्री भी शामिल हैं। एडिशनल डीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया, 19 जनवरी को बाइक सवार 3 बदमाशों ने कार में बैठे एयरलाइंस कर्मी सूरज मान को पांच गोली मारी थी। जेल में बंद गैंगस्टर कपिल मान के इशारे पर वारदात को अंजाम दिया गया था। मृतक एयरलाइंस कर्मी सूरजमान दिल्ली के गैंगस्टर प्रवेश मान का सगा भाई था। सौ गज प्लॉट को लेकर गैंगस्टर कपिल मान और प्रवेश मान के बीच बीते कई सालों से गैंगवार चल रही है। दोनों पक्ष से 5 लोगों की हत्या अब तक हो चुकी है। सूरज की हत्या भी गैंगवार का ही नतीजा थी। हत्या के बाद पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर गैंगस्टर कपिल मान के भाई समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज किया था। वारदात के अगले ही दिन पुलिस ने कपिल मान के भाई धीरज मान समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। एक अन्य की गिरफ्तारी बाद में हुई। इस मामले में नोएडा पुलिस ने बाद में कपिल मान के करीबी दिल्ली के खेड़ा खुर्द निवासी शक्ति मान, संजीत और हरजीत मान व कन्छावाला निवासी सोनू उर्फ विकास और रोहिणी निवासी काजल खत्री को भी आरोपी बनाया। पुलिस के मुताबिक काजल मंडोली जेल में बंद दिल्ली के गैंगस्टर कपिल मान की गर्लफ्रेंड। यही नहीं ऐप के जरिए काजल ने ही सूरजमान की हत्या के लिए प्लान बनाया था। इसके लिए वो शूटर व कपिल के से लगातार संपर्क में भी थी। नोएडा पुलिस फरवरी में शूटर अब्दुल कादिर और कुलदीप को रिमांड पर दिल्ली जेल से लेकर आई थी। पूछताछ में यह पुष्टि हुई है कि यह हत्या मंडोली जेल में बंद दिल्ली के खेड़ा खुर्द निवासी गैंगस्टर कपिल मान ने ही करवाई है। सूरज मान हत्याकांड को अंजाम देने वाला तीसरा शूटर और मुख्य आरोपी अभी भी पुलिस के लिए पहेली बना हुआ है। बताया जा रहा है कि तीसरा शूटर लॉरेंस विश्नोई का काफी खास है। लॉरेंस उसे हमेशा छिपा कर रखता है।

भव्य प्रभात

नशे की सुनामी

हाल ही में एक पाकिस्तानी नौका से छह सौ करोड़ मूल्य की 86 किलोग्राम हेरोइन की बरामदगी भारत में नशे के बढ़ते कारोबार में विदेशी साजिश का खुलासा करती है। वैसे यह अकेली घटना नहीं है, हाल ही के वर्षों में अरबों रुपये के नशीले पदार्थों की बरामदगी हुई है। दरअसल, कई देशों के सत्ता प्रतिष्ठानों की मिलीभगत से नार्को–आतंकवाद के एक बड़े पैटर्न को अंजाम दिया जा रहा है। निश्चित तौर पर यह साजिश हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती है। पुराने अनुभव बताते हैं कि जम्मू–कश्मीर व पंजाब में नशे के कारोबार से अर्जित धन को आतंकवाद के पोषण में लगाया गया। आतंकवादियों को हथियार व पैसा उपलब्ध कराया गया। पिछली मई में भी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यानी एनसीबी और नौसेना के साझे मिशन के जरिये केरल तट पर ढाई हजार किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया गया। जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत पंद्रह हजार करोड़ रुपये बतायी गई थी। यह देश में बरामद अब तक की सबसे बड़ी नशे की खेप थी। गत माह गुजरात के तट पर साठ पैकेट ड्रग्स ले जा रही एक नौका को जब जब्त किया गया तो छह पाकिस्तानी चालक दल के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। इसी तरह फरवरी में पोरबंदर तट पर पांच विदेशी नागरिकों को चरस व 3300 किलोग्राम नशीले पदार्थों के साथ पकड़ा गया था। दरअसल, इस नशे के कारोबार की शुरुआत अक्सर अफगानिस्तान से होती है, जहां अफीम व हेरोइन का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। नशे का यह कारोबार अब अफगान सरकार की आय का बड़ा स्रोत भी है। बहरहाल, हालिया घटनाक्रम समुद्र के जरिये मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिये गंभीर उपायों की जरूरत बताता है। जिसके लिये मजबूत कानून, प्रवर्तन एजेंसियों की भागीदारी, कुशल खुफिया–साझाकरण तंत्र, नौसेना व तटरक्षक बलों में तालमेल तथा आतंकरोधी दस्ते के जरिये निगरानी तंत्र को मजबूत बनाने की जरूरत है। यह भी विचारणीय प्रश्न है कि ये नशीले पदार्थ किस तरह व कहां भारत में बेचे जा रहे हैं। नशीले पदार्थों के मांग पक्ष को भी संबोधित करने की जरूरत है। नशीली दवाओं की रोकथाम के साथ ही पुनर्वास कार्यक्रमों में निवेश किया जाना चाहिए। साथ ही नशे के खिलाफ युवाओं के बीच जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। उन उपायों को लागू करना होगा जो युवाओं को नशे से दूर रखने में मददगार हो सकें। जब भी नशे की कोई बड़ी खेप बरामद होती है तो हमारी चिंता बढ़ जाती है। सोमवार को पंजाब में नशे की एक बड़ी खेप के साथ ड्रग मनी व अन्य अवैध सामान बरामद किए गए। इस काले धंधे में अभियुक्त व्यक्ति ही नहीं, उसकी बेटी व दामाद भी लिप्त थे। यह नशे का सामान पाकिस्तान के रास्ते भारत पहुंच रहा था। सवाल उठता है कि यदि इतने बड़े पैमाने पर नशीले पदार्थों की बरामदगी न होती तो कितने युवा नशीले पदार्थों का सेवन करके पथभ्रष्ट होते? देश का कितना धन विदेशों को चला जाता? इस नशे से मिलने वाला धन कालांतर में आतंकवाद व अपराध की दुनिया को मजबूत करता। हाल ही के दिनों में नशीले पदार्थों की भारी मात्रा में बरामदगी इस बात की ओर इशारा करती कि देश में नशीले पदार्थों की खपत लगातार बढ़ रही है। जो निश्चित रूप से देश की युवा शक्ति को पतन के मार्ग की ओर ले जा रही है। देखा गया है कि नशीले पदार्थों का सेवन करने वाले युवा कालांतर महंगा नशा जुटाने के लिये अपराध की दुनिया में उतर जाते हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि पंजाब व देश के अन्य भागों में हर साल हजारों युवा नशे की ओवरडोज से मौत की गिरफ्त में आ जाते हैं। ऐसे में देश के भविष्य को बचाने के लिये हमें राष्ट्रीय स्तर पर अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करने होंगे। पिछले वर्ष पंजाब में ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थ भारत लाये जाने के तमाम मामले प्रकाश में आए।

चार सौ पार की फांस

अरविन्द मोहन

अगर इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चार सौ पार के नारे को चुनाव का मुख्य स्वर बनाने के बाद भी पहले दो चरण के मतदान में गिरावट और उत्साहहीनता के विश्लेषण के क्रम में बहुत सारे लोगों को 2004 चुनाव के पहले के श्इंडिया शाइनिंगश का नारा याद आता है तो यह कोई हैरानी की बात नहीं है। तब भी कई राज्यों की विधान सभा चुनावों में भाजपा जीती थी, जीडीपी के आंकड़े बड़े चमकीले बताए जा रहे थे और यह लग रहा था कि भाजपा–एनडीए को अगर कुछ सीट काम पड़े तो मुलायम सिंह और शरद पंवार जैसे लोग समर्थन के लिए तैयार हों ही जाएंगे–ज्यादा से ज्यादा सौदेबाजी में कुछ अधिक दाम चुकाना हो। हम जानते हैं कि उस चुनाव में बहुत ही कमजोर कांग्रेस और ठीक से हिन्दी भी न बोल पाने वाली सोनिया गांधी ने इंडिया शाइनिंग की हवा निकाल दी थी। कांग्रेस भाजपा से आगे भी निकल गई थी। पर इस तुलना को ज्यादा आगे बढ़ाने का कोई मतलब नहीं है। तब के प्रमोद महाजन, जेटली, आडवाणी जी, जोशी जी जैसे भी कुशल मैनेजर थे लेकिन मोदी–शाह की जोड़ी न थी। इस जोड़ी द्वारा तय सीटों का लक्ष्य कई बार चुनावी अर्थात हार या जीत, पूरा होने या न होने वाला भी साबित हुआ है लेकिन इस बार विपक्ष को जिस स्थिति में ला दिया गया है, राहुल गांधी और सारे विपक्षी नेताओं की छवि को जिस तरह ध्वस्त किया गया है और भाजपा हर मामले में लीड की स्थिति से शुरूआत कर रही थी, उससे यह तुलना ज्यादा मतलब की नहीं है। और तुर्रा यह है कि मोदी जी ही एजेंडा सेट करते हैं, अपनी ही पार्टी नहीं बाकी पार्टियों को चलाते दिखते हैं और लगभग अधिकांश विपक्षी नेताओं को उन्होंने किसी न किसी तरह से घेर लिया है। दर्जन भर मुख्यमंत्रियोंध्पूर्व मुख्यमंत्रियों से दलबदल कराने के बाद लगभग सारी पार्टियों में टूट–फूट कराई जा चुकी है। कई राज्यों में भाजपा के अंदर मुख्य नाराजगी इसी बात की हो गई है कि सारे महत्वपूर्ण स्थानों से दलबदलुओं को टिकट दिए गए हैं और सामान्य स्थिति में चुनाव जितवा देने वाले अनेक मुद्दे भाजपा की झोली में हैं। मोदी की गारंटी ही सबसे प्रबल स्वर दिखने लगा था। दूसरी तरफ विपक्ष है अब तक न एक संगठन, न एक मोर्चा, न एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम, न एक नेता की तरफ बढ़ने का होश ही नहीं है। क्योंकि हर दल और प्रदेश में टूट–फूट का क्रम अभी भी जारी है और इसमें नेताओं के नाराज होने और पार्टी से अलग कराने के लिए भाजपा के उकसावे या प्रलोभन की भी जरूरत नहीं है। विपक्षी एकता का इंडेक्स आगे बढ़ रहा है या पीछे जा रहा है, इसकी सुध लेने की भी फुरसत नहीं है। लेकिन दो कार्यकाल पूरा होने और अच्छे दिन लाने या बालाकोट जैसी घटना जैसा केन्द्रीय मुद्दा न होने से सारी तैयारी बेअसर होती लगती है। मोदी की गारंटी पर जिसको भरोसा है उसको है और जिसको नहीं है उसको होता नहीं दिखता। मतदाताओं में तो उत्साह नहीं ही है, कार्यकर्ताओं में उससे भी ज्यादा उत्साहहीनता है। मतदान की कमी के पीछे ये कारण हो सकते हैं। दूसरी तरफ विपक्ष के पास संगठन और कार्यकर्ताओं की पर्याप्त फौज भी नहीं है तो आप उस तरफ की हवा होने का दावा भी नहीं कर सकते। चुनाव प्रो–मोदी, एंटी मोदी ही है। प्रो राहुल, प्रो अखिलेश, प्रो तेजस्वी तो नहीं ही है। और जिन मुसलमानों के मोदी–विरोधी और हर स्थिति में पहले भाजपा को सारा सकने वाले उम्मीदवार को तलाशने की उत्सुकता तो है लेकिन उनमें भी पहले की तरह उत्साह से चुनाव में वोट डालने की रिपोर्ट नहीं है। भाजपा का हो या उसके सभी सहयोगी दलों का लगभग हर उम्मीदवार मोदी के नाम के सहारे है। सिर्फ उनकी सभाओं और रोड शो की मांग हो रही है। अकेले मोदी जितना कर सकते हैं उतना कर रहे हैं पर हर मीटिंग की हर कुर्सी भरवाना उनका काम नहीं हों सकता। ऐसे आयोजनों से लेकर मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाना कार्यकर्ताओं का काम है। और यह कहना पर्याप्त नहीं है कि चार सौ पार के नारे से झलकते अति आत्मविश्वास के चलते वे सुस्त पड़ गए हैं कि हमारे न सक्रिय होने पर भी पार्टी जीत ही जाएगी। उनमें पुराने या बार–बार रिपीट होने वाले उम्मीदवारों को लेकर एक नाराजगी है तो नए (और दूसरे दलों से लाकर मैदान में उतारे) उम्मीदवारों से ज्यादा नाराजगी है। मतदाता भी एक सीमा से ज्यादा सरकार गिराने, नेता तोड़ने, विपक्ष की घेरेबंदी को लेकर हैरान है तो कार्यकर्ता भी। लेकिन संघ के लोग और मोदी भक्तों का यह स्वभाव नहीं है। वे हर हाल में जुटते हैं और बिहार विधान सभा या इससे पहले के मध्य प्रदेश चुनाव(2018 वाला) में भाजपा के कार्यकर्ताओं और मैनेजरों ने हारती बाजी पलटी थी। ऐसा कई बार हो चुका है और इस बार भी पहले दौर की तुलना में दूसरे दौर में मतदान का बढ़ाना यह बताता है कि संघ परिवार और मोदी भक्त जोर लगा रहे हैं– संभव है कुछ जोर विपक्ष के मरियल संगठन में पहले दौर की उत्साहवर्द्धक रिपोर्ट से भी आई हो। सोशल मीडिया के परदों के भीतर चलाने वाले खेल को समझने और जानने वालों का दावा है। असल में अभी मोदी समर्थकों के इस विशाल समूह में खुद ही दो फाड़ होने का खतरा है–ट्रेड्स और रायताज जैसे नाम वाले खेमों। ट्रेड्स मतलब अत्यधिक परंपरावादी–कट्टरपंथी और रायताज का मतलब जरा मिलावट की वकालत करने वाले। और इन्हीं जानकारों का मानना है कि खुद मोदी जैसे लोग रायताज वाले वर्ग में आटे गए हैं क्योंकि उन्हें साध्वी और अनंत हेगड़े जैसों के पक्ष में खड़ा होने का साहस नहीं बचा है। और इन जमातों की बहस से अंदाजा लगता है कि अंदर ही अंदर भारी उथल–पुथल है और इसमें संघ का लगभग पूरा शीर्ष भी रायताज गिना जाने लगा है। अगर भागवत भी आरक्षण और मुसलमानों के पक्ष में बोलने को मजबूर हों तो उनको भी हमले झेलने के लिए तैयार रहना होगा।

पर अनाम या छद्मनाम लोगों के बीच चलने वाली इस गोपनीय सोशल मीडिया की चर्चा आम कार्यकर्ताओं के बीच की अनिश्चितता, दोचित्तापन और उदासीनता के मूल को बताती है और बाहर हर चीज मैनेज करने में सक्षम मोदी जी और उनके सहयोगी इस चीज का प्रबंधन कर कर पाएं यह हैरानी की बात है। यह भी मानी कि यह मैनेज हों सकने वाली चीज है। इसलिए चार सौ पार के नारे को फांस ही नहीं मानिए। तब भी कई राज्यों की विधान सभा चुनावों में भाजपा जीती थी, जीडीपी के आंकड़े बड़े चमकीले बताए जा रहे थे और यह लग रहा था कि भाजपा–एनडीए को अगर कुछ सीट काम पड़े तो मुलायम सिंह और शरद पंवार जैसे लोग समर्थन के लिए तैयार हों ही जाएंगे–ज्यादा से ज्यादा सौदेबाजी में कुछ अधिक दाम चुकाना हो। हम जानते हैं कि उस चुनाव में बहुत ही कमजोर कांग्रेस और ठीक से हिन्दी भी न बोल पाने वाली सोनिया गांधी ने इंडिया शाइनिंग की हवा निकाल दी थी। कांग्रेस भाजपा से आगे भी निकल गई थी। पर इस तुलना को ज्यादा आगे बढ़ाने का कोई मतलब नहीं है। तब के प्रमोद महाजन, जेटली, आडवाणी जी, जोशी जी जैसे भी कुशल मैनेजर थे लेकिन मोदी–शाह की जोड़ी न थी। इस जोड़ी द्वारा तय सीटों का लक्ष्य कई बार चुनावी अर्थात हार या जीत, पूरा होने या न होने वाला भी साबित हुआ है लेकिन इस बार विपक्ष को जिस स्थिति में ला दिया गया है, राहुल गांधी और सारे विपक्षी नेताओं की छवि को जिस तरह ध्वस्त किया गया है और भाजपा हर मामले में लीड की स्थिति से शुरूआत कर रही थी, उससे यह तुलना ज्यादा मतलब की नहीं है। और तुर्रा यह है कि मोदी जी ही एजेंडा सेट करते हैं, अपनी ही पार्टी नहीं बाकी पार्टियों को चलाते दिखते हैं और लगभग अधिकांश विपक्षी नेताओं को उन्होंने किसी न किसी तरह से घेर लिया है। दर्जन भर मुख्यमंत्रियोंध्पूर्व मुख्यमंत्रियों से दलबदल कराने के बाद लगभग सारी पार्टियों में टूट–फूट कराई जा चुकी है। कई राज्यों में भाजपा के अंदर मुख्य नाराजगी इसी बात की हो गई है कि सारे महत्वपूर्ण स्थानों से दलबदलुओं को टिकट दिए गए हैं और सामान्य स्थिति में चुनाव जितवा देने वाले अनेक मुद्दे भाजपा की झोली में हैं। मोदी की गारंटी ही सबसे प्रबल स्वर दिखने लगा था। दूसरी तरफ विपक्ष है अब तक न एक संगठन, न एक मोर्चा, न एक साझा न्यूनतम कार्यक्रम, न एक नेता की तरफ बढ़ने का होश ही नहीं है। क्योंकि हर दल और प्रदेश में टूट–फूट का क्रम अभी भी जारी है और इसमें नेताओं के नाराज होने और पार्टी से अलग कराने के लिए भाजपा के उकसावे या प्रलोभन की भी जरूरत नहीं है। विपक्षी एकता का इंडेक्स आगे बढ़ रहा है या पीछे जा रहा है, इसकी सुध लेने की भी फुरसत नहीं है। लेकिन दो कार्यकाल पूरा होने और अच्छे दिन लाने या बालाकोट जैसी घटना जैसा केन्द्रीय मुद्दा न होने से सारी तैयारी बेअसर होती लगती है। मोदी की गारंटी पर जिसको भरोसा है उसको है और जिसको नहीं है उसको होता नहीं दिखता। मतदाताओं में तो उत्साह नहीं ही है, कार्यकर्ताओं में उससे भी ज्यादा उत्साहहीनता है। मतदान की कमी के पीछे ये कारण हो सकते हैं। दूसरी तरफ विपक्ष के पास संगठन और कार्यकर्ताओं की पर्याप्त फौज भी नहीं है तो आप उस तरफ की हवा होने का दावा भी नहीं कर सकते। चुनाव प्रो–मोदी, एंटी मोदी ही है। प्रो राहुल, प्रो अखिलेश, प्रो तेजस्वी तो नहीं ही है।

प्रेक्षकों ने उम्मीदवार व अभिकर्ताओं के साथ बैठक कर प्रावधानों व नियमों का अनुपालन करने के दिए निर्देश

शाहजहांपुर। सामान्य प्रेक्षक बाबूलाल गोयल जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश प्रताप सिंह, पुलिस प्रेक्षक राजीव रंजन, व्यय प्रेक्षक अंबालाल नायक ने सोमवार को शाहजहांपुर लोकसभा संसदीय क्षेत्र तथा 136 ददरौल विधानसभा क्षेत्र के उप निर्वाचन के उम्मीदवारों व उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं के साथ बैठक कर भारत निर्वाचन आयोग के प्रावधानों व नियमों का अनुपालन करने के निर्देश दिये।कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में लोकसभा एवं विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उप निर्वाचन से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श तथा चर्चाओं की बैठक में सामान्य प्रेक्षक ने उम्मीदवारों व उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं से कहा कि लोकसभा चुनाव पारदर्शी, निष्पक्ष, सुचितापूर्ण व सकुशल ढंग से संपन्न हो इसके लिए सभी का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने उम्मीदवारों से अपने–अपने निर्वाचन अभिकर्ताओं को आयोग के दिशा निर्देशों से अवगत कराने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि रिलायंस गेस्ट हाउस में निवासरत हैं। कोई भी व्यक्ति निर्वाचन से सम्बंधित समस्या व शिकायतों को सांय 4:00 बजे से 6:00 बजे तक अवगत करा सकते हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने विभिन्न गतिविधियों की समय सारणी, आदर्श आचार संहिता व व्यय अनुवीक्षण प्रक्रिया, निर्वाचन संबंधी विधिक प्रावधानों के संबंध में जानकारी दी। चुनाव प्रचार वाहनों पर अनुमन्य ही झंडे लगाए। वाहन पास ओरिजिनल ही लगाएं। उन्होंने कहा कि चुनाव आदर्श आचार सहिंता लागू है कोई भी कार्यक्रम का आयोजन बिना अनुमति न करें। आयोजनों की अनुमति पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान समाप्ति के समय से 48 घंटे पूर्व प्रचार प्रसार नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जाति, धर्म आदि के आधार पर मत याचना ना की जाए। किसी प्रत्याशी या अन्य के विरुद्ध अभद्र भाषा का प्रयोग ना किया जाए। पुलिस प्रेक्षक ने कहा कि आदर्श आचार संहिता का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। लाउडस्पीकर का प्रयोग रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 6:00 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने कहा कहीं पर भी मतदाताओं को मतदान करने में कोई परेशान कर रहा हो तो तत्काल अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा सभी लोग ज्यादा से ज्यादा मतदान करें जैसे निर्वाचन आयोग की मंशा है। व्यय प्रेक्षक ने उम्मीदवारों एवं अभिकर्ताओं से कहा कि चुनाव खर्च पूर्व में उपलब्ध कराई गई रेट लिस्ट के हिसाब से जोड़ा जाएगा। सभी लोग अपना निर्वाचन खर्च का मिलन 3, 6 एवं 9 मई को अवश्य कराएं। उन्होंने बताया कि अधिकतम 10,000 रुपए तक का नकद ट्रांजैक्शन उम्मीदवार कर सकते हैं। इससे ऊपर की धनराशि के लिए चेक, ड्राफ्ट व अन्य माध्यम का उपयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोकसभा निर्वाचन के उम्मीदवार 95 लाख रुपए तथा विधानसभा क्षेत्र के उम्मीदवार 40 लाख रुपए तक ही खर्च कर सकेंगे। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पाण्डेय, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार सहित संबंधित अधिकारी, उम्मीदवार व अभिकर्ता मौजूद रहे।

चुनाव आचार संहिता से व्यापारियों को होने वाली समस्या के संबंध में सौंपा ज्ञापन

शाहजहांपुर। उ.प्र. उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष कुलदीप सिंह दुआ के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी लखनऊ को सम्बोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। जिसमें कहा गया की 2024 के लोकसभा चुनाव में लगी आचार संहिता के तहत राजनीतिक दलों द्वारा धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए प्रदेश भर में बनाए गए चेकिंग फ्लाइंग स्क्वाड द्वारा व्यापारियों को भी रोक कर चेकिंग के दौरान हो रहे उनके उत्पीड़न की खबरो पर विरोध प्रकट कर ज्ञापन दिया। ज्ञापन देने वालों में जिला महामंत्री नाजिम खान, कोषाध्यक्ष नीरज गुप्ता, नगर महामंत्री अतुल गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष रोहित अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष मुकेश गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, राजीव गुप्ता एवं राजन चोपड़ा, शाहबाज खान, मोहम्मद रफी, गौरव वल्लभ गुप्ता, अमित पांडे, अभिषेक मोहन, राजेंद्र गुप्ता सहित कई व्यापारी मौजूद रहे।

वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

हाथरस। सादाबाद–आगरा राजमार्ग पर गांव गीगला के पास सोमवार की रात को एक वाहन की टक्कर से 65 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। शव की अभी तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए हाथरस भिजवा दिया है। पहचान के लिए शव को 72 घंटे तक मोर्चरी में रखा जाएगा। सीओ गोपाल सिंह ने बताया कि वेशभूषा से बुजुर्ग मानसिक रूप से बीमार मालूम होता है। बुजुर्ग ने कई शर्ट एवं पेंट पहन रखी थीं। उसकी लंबाई पांच फुट सात इंच थी। सिर के सभी बाल सफेद थे। पेंट की जेब में प्लास्टिक की पन्नी भरी हुई थीं।

बेड पड़े कम तो टेबल पर लिटाकर दिया जा रहा इलाज

हाथरस। अप्रैल में पड़ रही भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। बीमारियां लगातार जनजीवन को गिरफ्त में ले रही हैं। लोग सर्दी, जुकाम, वायरल बुखार, उल्टी–दस्त, पेट दर्द और डायरिया की चपेट में आ रहे हैं। बागला जिला अस्पताल में 70 बेड का वार्ड मरीजों से हाउसफुल हो गया है। जगह की कमी से यहां मरीजों टेबल पर लिटाकर उपचार दिया जा रहा है। तपती गर्मी में बच्चों से लेकर युवा और बुजुर्ग इन दिनों किसी न किसी बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। बच्चे उल्टी–दस्त और पेट दर्द से पीड़ित हैं तो युवा और बुजुर्ग सर्दी, जुकाम और वायरल बुखार से पीड़ित हैं। शहर के बागला जिला अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन अलग–अलग बीमारियों से पीड़ित 2000 हजार मरीज पहुंच रहे हैं। ऐसा ही कुछ हाल इमरजेंसी का है। इमरजेंसी में उल्टी–दस्त और पेट दर्द से पीड़ित 100 से 150 मरीज 24 घंटे में पहुंच रहे हैं। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों को चिकित्सकों का द्वारा इलाज कर दवा उपलब्ध कराई जा रही है। जिन मरीजों को जांच की आवश्यकता है, उनकी जांच कराकर उन्हें भर्ती किया जा रहा है। जिला अस्पताल में 70 बेड का वार्ड है। जो मरीजों की बढ़ती संख्या के चलते पूरी तरह से भर गया है। इरमजेंसी में भी बेड खाली नहीं है। इस कारण इमरजेंसी से लेकर वार्डों की टेबल पर लिटाकर मरीजों को भर्ती किया जा रहा है और उनके ड्रिप लगाई जा रही हैं। अस्पताल में बेड की पहले से ही भारी कमी है। अस्पताल में 200 बेड की आवश्यकता है, लेकिन हमारे पास 70 बेड ही उपलब्ध हैं। ओपीडी में प्रतिदिन लगभग 2000 हजार और इमरजेंसी में 100 से 150 मरीज आ रहे हैं। जिन मरीजों को भर्ती करने की आवश्यकता है, उन्हें भर्ती कर इलाज दिया जा रहा है। हमारा पूरा प्रयास है अस्पताल आने वाले सभी मरीजों को बेहतर इलाज मुहैया कराया जाए। –डॉ. सूर्यप्रकाश, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, बागला जिला अस्पताल। जिला अस्पताल में आए मरीजों की संख्या पर एक नजर। बुखार से पीड़ित – 400 उल्टी–दस्त और पेट दर्द से पीड़ित – 200 त्वचा संबंधी बीमारी से पीड़ित – 120 प्रतिदिन 250 मरीजों की हो रही जांच। बीते कुछ दिनों के जिले के तापमान पर एक नजर 25 अप्रैल– अधिकतम तापमान 38 व न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस। 26 अप्रैल –अधिकतम तापमान 39 व न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस। 27 अप्रैल –अधिकतम तापमान 39 व न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस। 28 अप्रैल –अधिकतम तापमान 39 व न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस। 29 अप्रैल –अधिकतम तापमान 41 व न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस। 30 अप्रैल –अधिकतम तापमान 38 व न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस।

बुखार से पीड़ित चार साल के मासूम की मौत

हाथरस। शहर के नगला अलगर्जी निवासी चार वर्षीय बालक की बुखार की चपेट में आने से मौत हो गई। हालत बिगड़ने पर सोमवार की देर रात परिजन बच्चे को इलाज के लिए बागला जिला अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे थे। वहां चिकित्सक ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। रोते–बिलखते हुए परिजन शव को लेकर चले गए। कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के नगला अलगर्जी निवासी पीयूष (4) पुत्र राजू की कुछ दिनों से तबीयत ठीक नहीं चल रही थी। पीयूष को तेज बुखार आ रहा था। परिजनों ने उउसे नजदीक के ही एक चिकित्सक को दिखाकर दवा दिलाई थी। इसके बावजूद बच्चे की तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ। सोमवार की रात को एकाएक बच्चे की हालत और बिगड़ गई। यह देख परिजनों के होश फाख्ता हो गए। आनन–फानन परिजन उसे इलाज के लिए बागला जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सक ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने अस्पताल में ही करुण क्रंदन शुरू कर दिया।

मंडी निरीक्षक पर 10 हजार की रिश्वत वसूली का आरोप, पुलिस ने की रिपोर्ट दर्ज

हाथरस। दर्ज मुकदमे के अनुसार मंडी निरीक्षक ने फर्म का लाइसेंस नवीनीकरण कराने के लिए कहा। इसकी एवज में 10,000 रुपये की मांग की गई। शिकायतकर्ता ने असमर्थता जता दी। इस पर मंडी निरीक्षक लगातार पैसों की मांग करते रहे। जबरदस्ती 2–2 हजार रुपये के पांच नोट बतौर रिश्वत के रूप में ले गए। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम कोर्ट मेरठ के आदेश पर कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र के अलीगढ़ रोड स्थित मंडी समिति में तैनात एक मंडी निरीक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। निरीक्षक पर आरोप है कि निरीक्षक ने फर्म के लाइसेंस के नवीनीकरण की एवज में 10 हजार रुपये की रिश्वत की वसूली की थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली सदर क्षेत्र के घंटाघर स्थित सीकनापान गली निवासी योगेंद्र कुमार वार्ष्णेय पुत्र भगवानदास वार्ष्णेय ने कोतवाली हाथरस गेट में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए कहा कि उनकी अलीगढ़ रोड स्थित मंडी समिति में वार्ष्णेय एंड कंपनी के नाम से फर्म है। इसके वह मालिक व प्रोपराइटर हैं। उनकी पत्नी आशा पुत्री विपिन वार्ष्णेय के नाम से एक अन्य फर्म मोहित लव ट्रेडर्स गली सीकनापान गली में स्थित है। पत्नी की फर्म मोहित लव ट्रेडर्स का मंडी समिति लाइसेंस 30 जून 2023 तक मान्य था।

सहायक मण्डल अभियंता व नरमू के पदाधिकारियों के बीच विभिन्न मुद्दे हुए हल

शाहजहांपुर। सहायक मण्डल अभियंता शाहजहांपुर के साथ नरमू के पदाधिकारियों द्वारा हुई बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हल कराया गया। सहायक मंडल अभियंता रिशव दत्त के कार्यालय में हुई बैठक की जानकारी देते हुए

सहायक मंडल मंत्री नरेंद्र त्यागी ने बताया कि 52 सूत्री मांग पत्र पर सहमति बन गई है। सौहार्द पूर्ण हुई बैठक के द्वारा हल हुए मुख्य बिंदु इस प्रकार है उन्होंने बताया की ट्रैक मैन को अभी तक अपनी ड्यूटी शीट पर हस्ताक्षर का अधिकार नहीं था यह अधिकार मिलना ऐतिहासिक है जिसकी शुरुआत शाहजहांपुर से होगी। सभी कर्मचारियों को ड्यूटी शीट पर हस्ताक्षर का अधिकार मिलेगा, अंग्रेजो के समय से चली आ रही बंधुआ मजदूर जैसी कुप्रथा का अंत होगा। रेल आवासों के दरवाजे और खिड़कियां जालीदार लगाई जाएगी। रेलवे आवासों को मरम्मत का कार्य अतिशीघ्र कराया जाएगा, दरवाजे और खिड़कियों की भी मरम्मत की जाएगी। सभी रेलवे कालोनियों की चहारदीवारी जिन्हे कई जगहों से टूटा पाया गया जो की सुरक्षा की दृष्टि को मद्देनजर रखते हुए उन्हें अविलम्ब बनाया जाएगा। गेट संख्या 325 को ओपन टू रोड करा गया है जल्द ही गेटमैनो को लाभ मिलेगा। 325 और 326 पर नल की रिबोरिंग कर स्वच्छ जल मुहैया कराया जायेगा साथ ही मेज व कुर्सी की भी व्यवस्था कर दी जाएगी। सभी लोहारों, वेल्डर व साथी लाइन स्टाफ को ड्यूटी कार्ड पास उपलब्ध कराया जाएगा। वरीयता के आधार पर ही मेट की मैन को पदस्थ किया जाएगा। टिसुआ गैंग में नियमानुसार कीमैन की नियुक्ति की जाएगी। टीटीसी कालोनी में एक पार्क को बनाया जाएगा जिससे कर्मियों के बच्चों को क्रीड़ा स्थल हेतु स्थान मिलेगा।

मीरानपुर कटरा व 21 गैंग में जीपी 2800 मेट की नियुक्ति की जाएगी। सभी रेल आवासों पर पानी की टंकी को रख कर सुविधा दी जाएगी। वेल्डिंग टीम एवं यूएसएफडी पर कर्मचारियों को रोटेशन से लगाया जाएगा। कालोनी में पानी की सुचारू व्यवस्था हेतु बालमेंन से ही सप्लाई खुलवाई जायेगी। कालोनी में अवैध व खंडहर आवासों को खाली करा कर तोड़ा जाएगा और भी कई महत्वपूर्ण मुद्दे को हल कराया गया। मीटिंग में सहायक मंडल मंत्री नरेंद्र कुमार त्यागी, मंडल उपाध्यक्ष सुनील तिवारी, शाखा अध्यक्ष रामोतार शर्मा, सचिव शिव कुमार शर्मा, सह सचिव यतेंद्र त्रिवेदी, अजय सिंह सीनियर सेक्शन, इंजीनियर अरुण सक्सेना, मोहमद खालिद, ओएस रामचंद्र आदि उपस्थित रहे।